International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 05
March 2018

भारत में 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी का बढ़ता जनाधार

Dr. Jagbir Singh
Assistant Professor
Department of Political Science
Govt. College, Julana (HR.)
E-mail: jagbirkundu22@gmail.com

शोध आलेख सार– वस्तुतः भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के परिणाम भारतीय दलीय व्यवस्था तथा संसदीय प्रणाली की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यह प्रथम अवसर था जब 1989 के बाद कोई राष्ट्रीय दल अकेला बहुमत के आंकड़े को पार कर गया और सरकार निर्माण में सफलता प्राप्त की। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन 336 तथा अकेले भारतीय जनता पार्टी 282 सीटें जीतने में सफल रही। परन्तु वर्ष 2015 में दिल्ली तथा बिहार में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी को गहरा झटका लगा, जो राजनैतिक विद्वानों के लिए वाद–विवाद का विषय बन गया। लेकिन धीरे–धीरे अन्य राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने अपना जनाधार मजबूत किया और मार्च 2018 में 20 से अधिक राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की अकेले या गठबंधन के साथ सरकारें बन चुकी हैं। अभी हाल ही में हुए पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणामों ने पार्टी के जनाधार में नई जान डाल दी है और अब भारतीय जनता पार्टी को अपना भविष्य अधिक सुरक्षित दिखाई देने लग गया है। प्रस्तुत शोध पत्र में वर्ष 2014 के बाद भारत में राज्यों की राजनीति के सन्दर्भ में बढ़ते जनाधार का विश्लेषण किया गया है और इसके भविष्य का भी आकंलन किया गया है।

मूलशब्द– संसदीय लोकतंत्र, आम चुनाव, विधानसभा चुनाव, राज्यों की राजनीति, जनाधार, गठबंधन, वामदल, लोकसभा चुनाव, पूर्वोत्तर की राजनीति।

भूमिका– यदि भारत के राजनैतिक इतिहास का विश्लेषण किया जाये तो यह बात स्पष्ट होती है कि देश में लम्बे समय तक कांग्रेस पार्टी का शासन रहा है। लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि देश में अन्य राजनैतिक दलों का अस्तित्व नहीं था। पहले

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 05
March 2018

आम चुनाव के अवसर पर 14 राष्ट्रीय तथा 60 राज्य स्तरीय दल चुनावी अखाडे में उतरे थे। यह अलग बात है कि वे लम्बे समय तक कोई राजनैतिक करिश्मा नहीं कर पाये। राज्य की राजनीति में तो चौथे आम चुनाव के बाद ही कांग्रेस के अधिपत्य को चुनौती मिलने लग गई थी। भारतीय जनता पार्टी की बात की जाये तो यह बात स्पष्ट होती है कि प्रारम्भ में यह पार्टी जनसंघ के रूप में 1951 में ही गठित हो चुकी थी। उस समय इसकी स्थापना श्यामाप्रसाद मुखर्जी द्वारा की गई थी जिसका विलय 1977 में जनता पार्टी के रूप में हो गया। परन्तु आन्तरिक मतभेदों के कारण जनता पार्टी 1989 में ही विघटित हो गई और इसमें शामिल जनसंघ के कई सदस्यों ने 1980 में भारतीय जनता पार्टी का गठन किया। इसने अपना पहला लोकसभा चुनाव 1984 में लड़ा और केवल 2 सीटें जीती। तत्पश्चात इसकी स्थिति मजबूत होती गई और 1996 के लोकसभा चुनाव में यह सबसे बड़ा राजनैतिक दल बनकर उभरी। इसी तरह 1998 तथा 1999 में भी लोकसभा में यह पार्टी सर्वाधिक सीटें जीतने में कामयाब रही।

यहाँ यह कहना प्रासंगिक है कि भारत के संसदीय लोकतंत्र में अब तक 16 लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। यदि राज्य विधानसभा चुनाव की बात की जाये तो यह आंकड़ा कई गुणा हो जाता हैं। जब भारत में प्रथम आम चुनाव हुए तो 1952 में 14 राष्ट्रीय दलों तथा 60 क्षेत्रीय दलों ने चुनाव में भाग लिया था। यदि आज के सन्दर्भ में बात की जाये तो 2014 में 16वीं लोकसभा के चुनावी अवसर पर 6 राष्ट्रीय तथा 56 राज्य स्तर के दल थे। बाद में तृणमूल कांग्रेस को भी चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता दे दी और आज राष्ट्रीय दलों की संख्या 7 हो गई है। जब भारतीय जनता पार्टी ने 1984 में पहला लोकसभा चुनाव लड़ा था तो उसे मात्र 2 सीटें ही मिली थी। 1989 के बाद गठबंधन की राजनीति के दौर में भारतीय जनता पाटी का जनाधार धीरे–धीरे बढता गया और भारत में 1996, 1998 तथा 1999 में

गठबंधन की सरकार बनी जिसका नेतृत्व पार्टी के प्रमुख नेता श्री अटलबिहारी वाजपेयी ने किया।

वर्ष 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 282 सीटें जीतकर सरकार बनाने में सफल रही और आज भारत में राज्यों की राजनीति में भी पार्टी की स्थिति काफी मजबूत है। इसी वर्ष हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड तथा जम्मू–कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी काफी मजबूत स्थिति में रहीं। हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों में से भारतीय जनता पार्टी ने 47 सीटें जीतकर सरकार का गठन किया और आज भी हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की मजबूत सरकार है।

महाराष्ट्र में वर्ष 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 288 सीटों वाले राज्य में 186 सीटें जीतकर भारी बहुमत से सरकार का गठन किया। इसी वर्ष झारखण्ड में भी 81 सीटों में से अकेले भारतीय जनता पार्टी 47 सीटें जीतकर मजबूत स्थिति में रही। आज भी इन दोनों राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। जम्मू–कश्मीर में भी भारतीय जनता पार्टी ने पीपुल्स डैमोक्रेटिक पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा और गठबंधन की सरकार बनाने में सफलता पाई। अनेकों विरोधों के बावजूद आज भी इस राज्य में गठबंधन सरकार काम कर रही है।

परन्तु 2015 के बाद बिहार तथा दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव में इसे गहरा झटका लगा तथा दिल्ली में तो केवल पार्टी को 3 सीटों पर ही जीत मिली। बिहार में भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में कांग्रेस तथा राष्ट्रीय जनता दल, गठबंधन ने भारतीय जनता पार्टी के चुनावी आवेग को गहरा आघात पहुंचाया। अब राजनैतिक विद्वानों को लगने लगा कि भारतीय जनता पार्टी आने वाले समय में अधिक दिन तक टिक नहीं पायेगी और इसका जनाधार कमजोर होता जायेगा, परन्तु ऐसा नहीं हुआ। तत्पश्चात 2016 में असम, सिक्किम तथा अरूणाचल प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का जनाधार मजबूत रहा और इन राज्यों में पार्टी ने अपनी सरकार बनाई।

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 05
March 2018

असम में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 126 सीटों में से 86 सीटें जीतकर सरकार निर्माण का कार्य किया तथा सिक्किम में भी भारतीय जनता पार्टी ने एस.डी.एफ के साथ मिलकर 21 सीटें जीती और 32 सदस्यीय विधानसभा में पूर्ण बहुमत की सरकार का गठन किया। इसी तरह से अरूणाचल प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी ने अकेले 60 में से 49 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार का निर्माण किया।

वर्ष 2017 में मणिपुर, उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश तथा हिमाचल प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी काफी मजबूत जनाधार लेने में सफल रही। मणिपुर में 15 मार्च 2017 को गठित सरकार में पार्टी 60 में से 32 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत के साथ कार्यरत्त है। इसी तरह से उत्तराखण्ड के 70 सदस्यीय विधानमण्डल ने पार्टी 57 सीटों के साथ मजबूत सरकार बनाकर आगे बढ रही है। उत्तरप्रदेश में तो भारतीय जनता पार्टी ने 403 सीटों में से 325 सीटें जीतकर रिकार्ड तोड़ दिया है। यहाँ श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार कार्य कर रही है। हिमाचल प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर आगे बढ रही है। यहाँ यह कहना भी प्रासंगिक है कि बिहार में 2015 में गठित गठबंधन सरकार को मार्च 2017 में गहरा झटका लगा और आपसी मतभेदों के कारण राजनैतिक समीकरण बदल गए। अब भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से नीतीश कुमार फिर से गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री पद पर सत्तारूढ हुए। हालांकि वर्ष 2017 में पंजाब विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति कमजोर रही। फिर भी गुजरात विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 99 सीटें जीतकर अपनी साख बचा ली और आज गुजरात में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। मणिपुर और गोवा में भी वर्ष 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने में सफल रही जो राज्यों की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के बढ़ते जनाधार को स्पष्ट करता है।

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 05 Issue 05
March 2018

इस वर्ष 2018 में पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, नागालैण्ड तथा मेघालय में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति काफी मजबूत रही। त्रिपुरा में तो भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी जीत हासिल करते हुए 25 वर्ष से चले आ रहे वामदलों के शासन को ध्वस्त कर दिया। इस राज्य में भारतीय जनता पार्टी ने 60 सदस्यीय विधानमण्डल में 43 सीटें जीतकर नया राजनैतिक अध्याय लिखा और अपनी वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव की राह आसान कर ली। नागालैण्ड में भी भारतीय जनता पार्टी गठबन्धन बहुमत से केवल तीन सीट दूर रह गया। मेघालय में भी भारतीय जनता पार्टी अपना खाता खोल पाई और दो सीटें जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा दी। इन तीन राज्यों के चुनावी जनादेश ने भारतीय जनता पार्टी को एक सुखद अहसास करवा दिया। अब राजनैतिक विद्वानों को लगने लगा है कि आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी का कोई राजनैतिक विकल्प नहीं है।

सारांश– चूंकि समकालीन राजनीतिक परिवेश में भारतीय जनता पार्टी का जनाधार काफी मजबूत है, जिसका उदाहरण अभी हाल ही में हुए पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के चुनावी जनादेश के रूप में हमारे सामने प्रस्तुत है। परन्तु बदलते राजनैतिक घटनाक्रम में तीन क्षेत्रीय दल भारतीय जनता पार्टी का साथ छोड़ चुके हैं तथा उत्तरप्रदेश में विधानसभा उपचुनाव की दोनों सीटें पार्टी द्वारा हारना चिन्ता का विषय बन गया हैं। यही स्थिति बिहार में भी देखने को मिली है। अतः आज इस बात की महती आवश्यकता है कि भारतीय जनता पार्टी को अपने क्षेत्रीय दलों से सहयोग की नीति पर आगे भी कार्य करना चाहिए ताकि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में अपनी पूर्ववर्ती राजनैतिक साख को बचाने में सफलता मिल सके।

सन्दर्भ सूची–

1. **दॉ हिन्दुस्तान टाईम्स,** नई दिल्ली, 27 अक्तूबर 2014.
2. बी.एल. फाड़िया एवं पुखराज जैन, **भारतीय शासन एवं राजनीति,** साहित्य भवन, आगरा, 2016.

3. **दैनिक जागरण**, हिसार, 19 मार्च , 2017.
4. **दैनिक भास्कर,** रोहतक, 28 जुलाई, 2017.
5. **दॉ ट्रिब्यून,** चण्डीगढ, 28 दिसम्बर 2017.
6. **अमर उजाला,** नोएडा, 4 मार्च, 2018.
7. **दैनिक भास्कर,** रोहतक, 5 मार्च 2018.
8. **दैनिक भास्कर,** रोहतक, 6 मार्च, 2018.
9. **दैनिक ट्रिब्यून,** गुरूग्राम 15 मार्च 2018.